an>

Title: Need to make 'Agriculture education' a compulsory subject in school syllabus.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) ः कहने को भारत कृषि प्रधान देश है पर बात जब कृषि शिक्षा की आती है तो सूरत अलग नज़र आती है। हायर सैकेंडरी स्तर पर कृषि के पाठ्यक्रम में होने के बावजूद इस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्कूल के बाद पढ़ाई जारी न रखने वाले अधिकांश छात्र खेती-किसानी में लग जाते हैं लेकिन इसके लिए न तो उन्हें औपचारिक ज्ञान होता है, न कोई प्रशिक्षण। परंपरागत तौर पर जो कुछ सीखा, वहीं उनका ज्ञान है।

सी.बी.एस.ई. के अलावा कई राज्यों के स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कृषि को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। वैकल्पिक विषय होने के अलावा कृषि बागवानी के रूप में वोकेशनल कोर्स में भी मौजूद है। मगर हायर सैकेंडरी स्तर पर दो फीसदी से भी कम छात्र कृषि की पढ़ाई करते हैं। कृषि क्षेत्र की तस्वीर बदलनी है तो हाईस्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम में कृषि की पढ़ाई को फोकस में लाना होगा।

कृषि क्षेत्र में रोज़गार की संभावनाओं और कौशल विकास के दौर में अब कृषि को फोकस में लाया जाना चाहिए। हाईस्कूल स्तर पर उद्यमशीलता को कोर्स में शामिल करने की वकालत हो रही है। कृषि शिक्षा के साथ उद्यमशीलता को जोड़ने से आश्चर्यजनक परिणाम निकल सकते हैं।

आज हायर सैकेंडरी स्तर पर वहीं लोग कृषि की पढ़ाई करते हैं, जिन्हें कॉलेज में इसकी पढ़ाई करनी होती है पर कृषि के अधिकांश ग्रेजुएट भी खेती के लिए इसकी पढ़ाई नहीं करते। वे उच्च शिक्षा और रोज़गार के लिए इस क्षेत्र में आते हैं। हायर सैकेंडरी स्तर पर अच्छे सिलेबस, रोज़गारपरक प्रैक्टिकल के साथ इस विषय की पढ़ाई करवाई जाए तो कृषि के बारे में बुनियादी जानकारी होने के कारण इन सभी माध्यमों केपूर्ति युवाओं की रूचि बढ़ेगी। कृषि शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी कोशिशों के अलावा जनमत बनाने की भी जरूरत होगी।

कुछ दिनों पहले Dr S. Ayyappan (Secretaru of department of Agriculture Research and Education and Director General, Indian Council of Agricultural Research (ICAR) ने भी बयान दिया कि- "Students should have knowledge about agriculture from school-level itself. By class 5, they should have awareness about seeds. By class 10, they should know the process of cultivation."

अभी संपन्न हुए पेरिस सम्मेलन में भी विकसित और विकासशील देशों ने खेती पर नए सिरे से ध्यान देने की बात की थी। मेरा सरकार से यही निवेदन है कि स्कूल स्तर पर कृषि शिक्षा की पढ़ाई अनिवार्य करें।